CLASS- 8
SUBJECT- SECOND LANGUAGE (HINDI)
POEM ONE- हम पंछी उन्मुक्त गगन के
-डॉ शिवमंगल सिंह सुमन

प्रस्तुत कविता श्री शिव मंगल सिंह सुमन जी द्वारा लिखित है। कवि इस कविता के द्वारा हमें यह समझाना चाहते हैं कि हमारे जीवन में आजादी का बहुत अधिक महत्व है। मनुष्य हो या पक्षी गुलामी किसी को भी पसंद नहीं है ऐसा हो सकता है कि आजादी पाने के लिए हमें थोड़ी तकलीफ बर्दाश्त करनी पड़े लेकिन वह गुलामी के दिनों की सुख-सुविधाओं से बहुत अच्छी हैं।यदि हमें किसी का गुलाम बनना पड़े तो फिर चाहे हमें जितनी भी सुख सुविधाएं मिले वह हमें अच्छी नहीं लगेगी। यही बात उन्होंने एक पक्षी के माध्यम से हमें समझाने की कोशिश की है।

पक्षी अपने मन की बात बताते हुए कहते हैं कि वे तो आजाद आसमान में उड़ने वाले जीव हैं, वे पिंजरे में बंद होकर नहीं रहना चाहते। यदि उन्हें पिंजरे में बंद कर दिया गया तो चाहे वह पिंजरा सोने का ही क्यों ना हो उनके कोमल पंख उस पिंजरे की सोने की जंजीरों से टकराकर टूट जाएंगे। वे तो बहते हुए नदी और झरने से पानी पीने वाले पक्षी हैं। यदि उन्हें पिंजरे में कैद करके सोने की कटोरी में भी पानी दिया जाए तो उन्हें वह पसंद नहीं होगा। पक्षी कहते हैं कि वे आजाद रहकर नीम का कड़वा फल खाना पसंद करेंगे; गुलामी की हालत में सोने की कटोरी में भी अच्छा भोजन नहीं चाहते। यदि सोने के पिंजरे में बंद कर अच्छा खाना दिया गया तो वे अपनी गति उड़ान सब कुछ भूल जाएंगे। उस स्थिति में पेड़ों की डालियों पर झूला झूलने के सपने ही देखते रह जाएंगे।

पक्षी के माध्यम से कवि कहते हैं कि जो पक्षी कैद हो जाते हैं उनके सपने भी चूर चूर हो जाते हैं। पक्षी फिर कहते हैं कि ऐसे पक्षियों का एक ही स्वप्न होता है कि यदि वे आजाद हो जाते तो वे भी खुले नभ में उड़ने की कोशिश करते। वे अपनी लाल लाल चोच खोलकर तारों को अनार के दाने समझकर चुगने की कोशिश करते। पक्षी फिर कहते हैं कि या तो वे अपनी कोशिश में सफल हो जाते या फिर उड़ते उड़ते उनके प्राण ही निकल जाते; फिर भी उन्हें किसी बात का दुख नहीं होता क्योंकि वे जो भी करते अपनी इच्छा अनुसार करते। पक्षी फिर कहते हैं उन्हें आजादी की स्थिति में भले ही घर ना मिले, भोजन ना मिले, जल ना मिले; परंतु वे आजाद ही रहना चाहते हैं।

यहां पक्षी मनुष्य से अनुरोध करते हैं कि जब ईश्वर ने उन्हें पंख दिए हैं तो मनुष्य भी उन्हें खुलकर अपनी जिंदगी जीने दे। कवि पक्षियों के माध्यम से मनुष्य को यह समझाना चाहते हैं कि हमें पक्षियों को कभी भी कैद नहीं करना चाहिए तथा उनके मन की व्यथा को समझना चाहिए। जब ईश्वर ने उन्हें आजाद बनाया है तो हमें उन को आजाद ही रहने देना चाहिए। ठीक इसी प्रकार हमें किसी मनुष्य को भी कभी गुलाम बनाने की बात सोचनी भी नहीं चाहिए।

---

1)व्याख्यामूलक प्रश्न -

हम बहता जल पीने वाले
मर जाएंगे भूखे - प्यासे
कहीं भली है कटुक निबौरी
कनक कटोरी की मैदा से।
स्वर्ण - श्रृंखला के बंधन में
अपनी गति,उड़ान सब भूले,

क) प्रस्तुत पंक्तियों के कवि का नाम लिखें। यहां 'हम' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?
ख) स्वादिष्ट व्यंजन खाने की अपेक्षा पंछी क्या खाना-पीना पसंद करते हैं?
ग) सोने के पिंजरे में बंद रहने का क्या परिणाम पंछियों को भुगतना पड़ता है?

2) निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क) पंछियों के क्या सपने और अरमान हैं?
ख) स्वतंत्र उड़ने के लिए पंछी किन-किन सुविधाओं का त्याग करने के लिए तैयार हैं?
ग) अंत में पंछी किससे और क्या प्रार्थना करते हैं?

3) निम्न शब्दों के अर्थ लिखकर शब्दों से वाक्य बनाएं -

आकुल, नीड़, कनक, आश्रय, अरमान ।

Note - कविता 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के'
Page number 12,13 -
लिखित - Q 1 (क) - i, iv, v
(ख) - iii, iv
Do it in your exercise book.